पिता को किडनी का रोग, बेटे को कैंसर, अब दोनों स्वस्थ

आईएएस ने खुद ही बनाई आयुर्वेदिक दवाएं, कामयाब रहा दोनों का इलाज

विभूति कुमार रस्तोगी

नई दिल्ली। बिहार कैडर के एक आईएएस अधिकारी एसएम राजू ने पहले अपने पिता की किडनी की बीमारी और फिर बेटे के कैंसर के इलाज के लिए खुद ही आयुर्वेदिक दवाएं बनाईं और दोनों का इलाज कामयाब रहा। आज उनकी बनाई 14 दवाओं को सरकारी लाइसेंस मिल चुका है।

हाल ही में दिल्ली के प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में मिले वरिष्ठ आईएएस और बिहार के प्रिंसिपल सेक्रेटरी एसएम राजू ने 'राष्ट्रीय उजाला' को बताया कि दवाओं का सेवन कई बड़ी हस्तियां भी करके अपनी बीमारियों से मुक्ति पा चुके हैं। राजू ने बताया कि कैंसर, डायबिटिज, एंटी एंजिग, किडनी, लीवर की बीमारी को लेकर आयुर्वेदिक दवाएं बनाई हैं। राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एसएन झा, फिल्म अभिनेता आदित्य पंचोली से लेकर कई मंत्री और बड़े अधिकारी उनकी दवाओं के इस्तेमाल से ठीक हो चुके हैं।

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में पत्नी संग बिहार के प्रिंसिपल सेक्रेटरी एसएम राजू

दरअसल राजू के पिता को किडनी की बीमारी थी और बाद में बेटे को कैंसर हो गया था। दोनों के इलाज में अंग्रेजी दवाइयां काम नहीं कर पा रही थीं और उनके साइड इफेक्ट्स अलग थे। इसके बाद एग्रीकल्चर ग्रेजुएट राजू ने ठान लिया कि वह खुद अपने पिता और बेटे की बीमारी के लिए आयुर्वेदिक दवा बनाकर उनका इलाज करेंगे। दृढ़निश्चय और मेहनत से राजू ने ऐसी दवा बना डाली और देखते ही देखते उन दवाओं से उनके पिता ठीक हो गए और बेटे की हालत में सुधार दिखने लगा।

14 दवाओं को मिला सरकार से लाइसेंस

बिहार सरकार के रेवेन्यू विभाग में अपर सचिव राजू शुरू से ही विज्ञान और आयुर्वेद में रुचि रखते थे। राजू अपने काम के बाद आयुर्वेदिक दवाओं पर रिसर्च करने लगे, जिसका नतीजा यह हुआ कि भारत सरकार ने राजू की बनाई कुल 14 दवाओं को लाइसेंस दे दिया है। इनमें कैंसर, डायबिटिज, लीवर, एंटी एजिंग, बोन और किडनी की बीमारियों की दवाएं शामिल हैं। राजू का कहना है कि आयुर्वेदिक दवाओं को बेंगलुरु की एक कंपनी बना रही है। दवा से होने वाली आय का 50 फीसदी हिस्सा गरीब बच्चों की शिक्षा पर खर्च होगा। ये दवाएं पूरी तरह से आयुर्वेदिक हैं जिनका कोई साइड इफेक्ट्स भी नहीं है। ये दवाएं 'मिरेकल ड्रिंक्स' के नाम से उपलब्ध हैं।